थाइरोइडका होमियोपैथीक उपचार

मेरे चिकित्सालयमें हालमें आगंतुक रोगीओं मेंसे बड़ी मात्रा (तक़रीबन 25 से 30 प्रतिशत) थाइरोइडके मरीजोंकी होती है । वे खुद या उनके परिवारका कोई सदस्य थाइरोइडसे त्रस्त पाया जाता है । तबीब द्वारा उन्हें यह सुचना मिली होती है कि उनके लिए अनुशंसित (शिफारिस की गई) औषधि सदैव जारी रखनी होगी । मैंने सोचा आज इतने बड़े पैमाने पर फैली बिमारीके विषयमें बात करते हैं ।

मानव शरीरमें थाइरोइडग्रंथी कंठ/गलेके बाहरी हिस्सेमें जहां पर गला और छाती मिलते हैं या गलेमें जो बड़ी हड्डी दिखाई देती है, (Adam's apple, अन्न जल निगलते समय जो उपर-नीचेकी तरफ संचलन करती हुई दिखाई देती है।) उसके नीचे स्थित है । यह ग्रंथी थाइरोइड होर्मोन बनाती है । थायरोक्सिन (T4- thyroxine) एवं ट्राईआयोडोथायरोनिन (T3-triiodothyronine) नामी ये होर्मोन (hormone) शरीरकी सभी क्रियाओं पर नियंत्रण रखनेका कार्य करते हैं, उदाहरण स्वरूप शरीरकी ऊर्जा, शरीरकी ताकत, शरीर द्वारा उपयोगमें लिए जानेवाले अन्य होर्मोन, विटामिन, शरीरके स्नायुओं (मांसपेशियों) का विकास आदि । मस्तिस्कमें स्थित पीयूष ग्रंथि (pituitary gland) मेंसे रिसने वाला होर्मोन (TSH-Thyroid Stimulating Hormone) थाइरोइड ग्रंथी पर नियंत्रण रखता है ।

सामान्यतः शरीरमें थाइरोइडका प्रमाण अधिक मात्रामें बढ़ जाने पर TSH बनना बंद हो जाता है, फलःस्वरूप T3 और T4 होर्मोन बनना रुक जाता है । थाइरोइड संबंधी रोग उस वक़्त लागु होता है, जब शरीरमें थाइरोइड होर्मोनकी मात्रा बहुत ज्यादह बढ़ जाए (hyperthyroid) या अतिशय कम (Hypothyroid) हो जाए । थाइरोइड ग्रंथी संबंधी रोगमें Hypothyroid सामान्य तकलीफ मानी जाती है । थाइरोइडके अधिकतर रोगी ईस मर्ज़से त्रस्त पाए जाते हैं । Hypothyroid उस समय होता है जब थाइरोइड ग्रंथी मेंसे T3 और T4 होर्मोनका रिसाव अतिशय निम्न मात्रामें होने लगे । उदाहरणार्थ बल्बमें विद्युत शक्ति क्षीण हो जाने पर प्रकाश धुंधला हो जाता है, ठीक ईसी तरह थाइरोइड होर्मोनका रिसाव अतिशय कम हो जानेसे शरीरकी कोशिकाएं मंद पड़ जाती हैं । यह रोगकी मात्रा पुरुषके मुकाबले स्त्रियोंमें अधिक होनेसे समाजमे ईस मर्ज़के स्त्रीरोगी अधिकतर संख्यामें पाए जाते हैं ।

कारण/वजह/Reason : आधुनिक चिकित्सा विज्ञान यह रोग होनेका कारण जान नहीं पाया है । रोगका अस्तित्व शरीरकी स्वयंप्रतिकार (Autoimmune) प्रणालीकी वजहसे वजूदमें आ सकता है । शरीर थाइरोइड विरुध्द प्रतिरक्षा शक्तिका विकास करने हेतु प्रतिबध्ध हो जाता है जिसके फलःस्वरूप धीरे-धीरे थाइरोइड ग्रंथीका ध्वंश होने लगता है । यह बिमारी विरासतमें उतरती हुई देखी गई है । कभी Hyperthyroid का उपचार करते हुए भी Hypothyroid होने की संभावना रहती है । हृदयके लिए औषधोपचार, द्विध्रुवी विकारकी दवा Lithium एवं कैंसर प्रतिरोधक औषधि Interferon Alpha के दुष्प्रभाव (Side Effact) से भी यह रोग हो सकता है ।

विशेषताएं/Symptoms : बच्चोंमें कब्ज, आहार/दूधके प्रति अरूचि, भोजनमें कमी, शरीरका विकास कम होना या रुक जाना, पीलियाका असर, अत्यधिक थकान एवं शिक्षाग्रहणमें तकलीफ/अरूचि.....

व्यस्कोंमें शीघ्र थकावटका एहसास, ठंड सहन न होना, हाथकी कलाईमें दर्द और झनझनाहटका एहसास (Carpal tunnel syndrome), त्वचा सूखी पड़ जाना, वजनमें बढ़ोतरी, बाल झड़ना, अत्यधिक थकानका एहसास होना (fatigue), गला बैठ जाना (आवाजका स्वर बार-बार बैठना, hoarseness of voice), बौद्धिक योग्यता (Intellectual ability) में कमी, आंखोंके आसपास सूजन, अवसाद (Depression), उलझन/विभ्रान्ति (Confusion), बाल शुष्क हो जाना, सुस्तीका एहसास (feeling sluggish), मांसपेशियोंमें ऐंठन (muscle cramps), दिल की धड़कन धीमी पड़ना (slow heart rate), मासिक धर्ममें अनियमित्ता, दुर्बलता.....

बुजुर्गोंमें उलझन/विभ्रान्ति (Confusion), भूख न लगना (loss of appetite), वजनमें कमी (Weight loss), गिरना (to fall), शरीरकी हरकत (body movement) कम हो जाना.....

थाइरोइड ग्रंथी संबंधी रोगका पता लगाने के लिए रक्त परीक्षणमें TSH, T3 एवं T4 की मात्राका पता लगाया जाता है । इसके अलावा अल्ट्रासाउंड, थायराइड स्कैन और थायराइड बायोप्सीकी भी सहायता ली जाती है ।

इलाज/Treatment : Allopathy चिकित्सा पध्धतिमें सामान्यतः अधिकतर रोगीओंके लिए हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (Hormone Replacement Therapy) अंतर्गत एक औषधि उपयोगमें ली जाती है जो शरीरके लिए कृत्रिम (Synthetic) Thyroid Hormone उपलब्ध कराती हे । यह औषधि जीवन पर्यंत (Lifelong) लेनी होती है । ईस औषधिसे बिमारी ख़त्म नहीं होती, शरीरमें Thyroid Hormone की कमीकी पूर्ति की जाती है ।

समाचिकित्सा पध्धति (Homeopathy) इसे अलग द्रष्टिकोणसे देखती है । Homeopathy नज़रिएके मुताबिक अगर शरीरमें कोई व्याधि लागु हुई है तो वह नष्ट होने के लिए भी सक्षम है । समाचिकित्सक Hypothyroid रोगसे पीड़ित प्रत्येक मरीज़की सविस्तार व्यवस्थित जांच कर रोगीकी प्रकृतिको समझनेके पश्चात बिमारी होनेकी वजह जाननेका महत्तम प्रयास करता है । खास कर रोगिको हुई भूतकालीन बिमारिओंकी जानकारी, विरासतमें मिलनेवाले रोगकी मालूमात, दर्दीकी प्रकृति ईन सभी वस्तुओंका मरीज़की थाइरोइड ग्रंथी या शरीर पर पडनेवाले प्रभाव संबंधी अभ्यास कर, सोच समझकर, मरीज़की शारीरिक एवं मानसिक स्थितिका आकलन करते हुए Homeopathic औषधिका चयन किया जाता है, जिस से रोगका अस्तित्व ख़त्म करनेमें सहायता प्राप्त होती है ।

अब यह प्रश्न उठना स्वभाविक है कि Allopathy चिकित्सा पध्धतिमें जीवनपर्यंत दवा लेनी होती है तो समाचिकित्सा प्रणालीमें कब तक उपचार जारी रखना होगा ? ईस प्रश्न के उत्तरमें सचोट समयसीमाका निर्देश करना थोड़ा कठीन है । मेरे Homeopathic जीवनके तजुर्बेके आधार पर कहुं तो तकरीबन 5 से 7 साल तक यह ईलाज जारी रखना पड़ सकता है । कईबार मरीज़ पुछते हैं इतने सारे साल ? मैं समझाता हूँ कि मान लो अभी मरीज़की उम्र 30 साल है और अगर उसे जीवनपर्यंत Allopathic दवा लेनी होती है तो उसे अभी अंदाज़न 40 साल तक और यह दवा लेनी होगी । मतलब Allopathic दवा के दुष्प्रभावको झेलते हुए अन्य रोगोंको आमंत्रण देना । इसके विपरीत Homeopathic औषधिका सेवन सिर्फ 5 से 7 साल करना वह भी बिना किसी दुष्प्रभावके !!! मुनाफेकी बात यह कि शरीर स्वस्थ और निरोगी रहेगा । Thyroid रोग समाचिकित्सा प्रणालीसे दूर होना संभव है ।

Akshay Banker M D (Homoeopathy) +1 647 868 4340	Nina Banker M D (Homoeopathy) +1 647 773 3074
Homeopathic Clinic(s):	
1] 93, Dundas St. E., Suite 107, **Mississauga**, ON. L5A 1W7. [East of Hwy 10 and Dundas, Above Dollarama] *[Monday, Thursday, Friday - 10 am to 5 pm]*	
2] 134, Queen St. E., Suite 203, **Brampton,** ON. L6V 1B2. [Queen and Centre street] *[Tuesday, Saturday - 10 am to 5 pm]*	
3] 2761, Markham rd., Aum Beauty Clinic, **Scarborough,** ON. M1X 1L5. [North of Markham and Finch] *[Wednesday - 4 pm to 7 pm]*	

An official Support Centre of Dr Rohit's"www.alopeciacure.com**" in Canada**

Translated From Gujarati By ..... Ibrahim Y. Bagia, Rander, *SURAT*, **INDIA**. **(ibrahimbagia@gmail.com)**